भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3341

गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय पर्यटन प्रमाणन प्रणाली

3341 श्री केसरीदेवसिंह झाला:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) राष्ट्रीय पर्यटन प्रमाणन प्रणाली के मुख्य उद्देश्य क्या हैं और सरकार विभिन्न पर्यटन क्षेत्रों में इसके प्रभावी कार्यान्वयन को किस प्रकार सुनिश्चित करने का विचार रखती है;
- (ख) होटल, टूर ऑपरेटर और प्रसिद्ध स्थलों जैसे पर्यटन व्यवसायों के प्रमाणन के लिए प्रस्तावित विशिष्ट मानक और मानदंड क्या हैं तथा इन मानकों को विकसित करने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई है;
- (ग) प्रमाणन मानकों के अनुपालन की निगरानी और प्रवर्तन हेतु क्या तंत्र स्थापित किए गए हैं और अनुपालन न करने के मामलों से निपटने के लिए क्या कदम प्रस्तावित हैं; और
- (घ) प्रमाणन प्रणाली का पर्यटन उद्योग पर, विशेष रूप से रोजगार सृजन और राजस्व सृजन के संदर्भ में, क्या संभावित आर्थिक प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के विभिन्न वर्गों के लिए सेवाओं और अनुभव की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु, पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वैच्छिक वर्गीकरण और अनुमोदन योजना के अंतर्गत आवास इकाइयों के साथ-साथ ट्रेवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों और पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों का वर्गीकरण करता है। यह मंत्रालय के निधि+ पोर्टल (nidhi.tourism.gov.in) के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है।

इस प्रणाली के अंतर्गत, होटलों को एक सितारा से लेकर तीन सितारा, चार और पाँच सितारा (शराब के साथ या बिना), पाँच सितारा डीलक्स, हेरिटेज (बेसिक), हेरिटेज (क्लासिक), हेरिटेज (गैंड), लीगेसी विंटेज (बेसिक), लीगेसी विंटेज (क्लासिक), लीगेसी विंटेज (गैंड) और अपार्टमेंट होटल की रेटिंग दी जाती है। मंत्रालय के पास टाइमशेयर रिसॉर्ट्स, ऑपरेशनल मोटेल, गेस्ट हाउस, बेड एंड ब्रेकफास्ट/होमस्टे प्रतिष्ठान, टेंट आवास, साथ ही ऑनलाइन ट्रेवल एग्रीगेटर्स, स्टैंड-अलोन एयर कैटरिंग यूनिट्स, कन्वेंशन सेंटर, स्टैंडअलोन रेस्टोरेंट जैसी श्रेणियों में अनुमोदन/पंजीकरण के लिए स्वैच्छिक योजनाएँ भी हैं। मंत्रालय से प्राप्त इन इकाइयों का

अनुमोदन/वर्गीकरण/पंजीकरण उन्हें अधिक विश्वसनीयता प्रदान करता है और उनकी सेवाओं को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों सहित अन्य पर्यटकों द्वारा पसंद किया जाता है।

(ख): विभिन्न श्रेणियों के लिए मानक और मानदंड संबंधित दिशानिर्देशों में विस्तृत जाँच सूचियों के रूप में निर्धारित किए गए हैं। इन जाँच सूचियों में कमरों की संख्या, कमरों का आकार, अतिथि सेवा सुविधाएँ, दिव्यांग अतिथियों के लिए प्रावधान, स्थायित्व, रसोई और रेस्तरां के मानक, कुशल कर्मचारी, चुकता पूँजी आदि शामिल हैं। इन मानकों की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है।

(ग): होटलों के वर्गीकरण/पुनर्वर्गीकरण संबंधी दिशानिर्देशों के अनुसार, इकाइयों से हर समय आवश्यक मानकों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। वर्गीकरण समिति किसी भी समय किसी इकाई का निरीक्षण कर सकती है। प्रमाणन मानकों के अनुपालन की निगरानी और प्रवर्तन हेतु विस्तृत व्यवस्था दिशानिर्देशों में दी गई है। इस स्वैच्छिक योजना के अंतर्गत अनुपालन न करने की स्थिति में, मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

(घ): मंत्रालय से प्रमाणन चाहने वाले पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए, 10 करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाली इकाइयों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पर्यटन/यात्रा प्रबंधन में डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त न्यूनतम 1 कर्मचारी होना आवश्यक है। 10 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक कारोबार वाली इकाइयों के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पर्यटन/यात्रा प्रबंधन में डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त न्यूनतम 2 कर्मचारी होना आवश्यक है। इसी प्रकार, होटलों के लिए भी कुशल जनशक्ति की विभिन्न पैरामीटर की आवश्यकता होती है।

इन प्रमाणपत्रों के माध्यम से, क्षेत्र के औपचारिकीकरण को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में योगदान के मामले में बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः, पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष और प्रेरित रूप से रोजगार सृजन करता है। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार सृजन में पर्यटन क्षेत्र का योगदान इस प्रकार है:

वर्ष	*पर्यटन में प्रत्यक्ष रोजगार	*पर्यटन में अप्रत्यक्ष रोजगार
2019-20	30.28	39.16
2020-21	29.68	38.38
2021-22	30.55	39.49
2022-23	33.22	42.95
2023-24	36.9	47.73

*मिलियन में